ध्यान रखने योग्य बातें :–

1. जूते पाँव को सीधा रखते हैं, जूते ठीक से न पहनने पर तकलीफ दुबारा हो जाएगी।
2. यदि आपके पास कुछ प्रश्न हैं तो आप डाक्टर से पूछ सकते हैं कि किस तरह से जूते पहनाए जाते हैं।
3. आपके बच्चे को पूरे तीन माह तक हर समय जूते पहनने हैं और बाद में 2–5 साल तक रात में सोने के समय।
4. आपकी मदद से ही आपका बच्चा सही तरह से जूते (स्प्लीन्ट) पहनने में सुविधा महसूस करेगा।
5. आपको डाक्टर द्वारा दी गई हर एक सलह को मानने की आवश्यकता है।
6. आपकी मदद से ही आपका बच्चा स्वस्थ जीवन व्यतीत कर पाऐगा।

समय सारिणी :–

आपका स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता रिक्त स्थान की पूर्ती करेगा।

बच्चे का नाम:_____

	प्लास्टर लगाने की तिथि :	अगली बार आने की तिथि :
पहली बार :	_____	_____
दूसरी बार :	_____	_____
तीसरी बार :	_____	_____
चौथी बार :	_____	_____
पांचवी बार :	_____	_____
छठवीं बार :	_____	_____
सातवीं बार :	_____	_____
आठवीं बार :	_____	_____
नौवीं वार :	_____	_____
दसवीं बार :	_____	_____

क्योर क्लबफुट वर्ल्डवाइड की शुरुआत, विश्व में बच्चों के जन्मजात पैर के टेढ़ेपन को ठीक करने के लिए किया गया है।

क्लबफुट पर कोई भी सवाल या नज़दीकि स्वास्थ्य केंद्र की जानकारी के लिए, क्लबफुट संचालक से संर्पक करें :–

CLUBFOOT Helpline : 8800020537
क्लाबफूट साहाय्यदाता ः ৮৮০০০২০৫৩৭

Cure Clubfoot West Bengal Program
Nil Ratan Sircar Medical College and Hospital
नीलरतन सरकार मेडिकेल कलेज ও হাসপাতাল

138, A. J. C. Bose Road, Sealdah,
Kolkata, West Bengal-700014

১৩৮, আচার্য জগদীশ চন্দ্র বোস রোড, শিয়ালদহ,
কলকাতা, পশ্চিমবঙ্গ - ৭০০০১৪

Scan to Give

cureint8800@fbl

क्योर क्लबफुट वर्ल्डवाइड एकजुट होकर कार्य कर रहा है, इस जन्मजात पैर के टेढ़ेपन से आजीवन छुटकारा पाने के लिए।

www.cure.org.in

डाक्टर, मेरे बच्चे को इन विशेष जूतों की आवश्यकता क्यों है?

RBSK
RASHTRIYA BAL SWASTHYA KARYAKRAM
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम
FROM SURVIVAL TO HEALTHY SURVIVAL

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

Rotary

क्लबफुट बच्चों के माता-पिता एवं परिवार जनों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी :-

क्या मेरे बच्चे को विशेष जूते चाहिए?

पोन्सेटी चिकित्सा पद्धति द्वारा श्रेणीबद्ध प्लास्टर लगाने से सम्पूर्ण सुधार किए जाने के पश्चात् भी क्लबफुट दुबारा होने की संभावना होती है जिसको रोकने के लिए अंतिम प्लास्टर के बाद विशेष जूते (स्प्लीन्ट) को पहनना अनिवार्य है।

आपके बच्चे का क्लबफुट दुबारा वापस आ सकता है यदि आपका बच्चा विशेष जूते नहीं पहनता है।

विशेष जूते (स्प्लीन्ट) कब तक पहनाऐं?

शुरु के तीन महीने में स्प्लीन्ट को पहनाना ज़रुरी है दिन में 23 घन्टे पहनाया जाना चाहिए और एक घंटे के लिए प्रतिदिन खुला

छोड़ा जाता है। तीन महीने के बाद स्प्लीन्ट को सोने के दौरान 2– साल तक की आयु तक पहनाया जाता है। जैसे–जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनके जूतों का आकार भी बड़ा होता है और उन्हें बदलने की आवश्यकता होती है।

अपने बच्चे के साथ वैसे ही खेलें और प्यार करें जैसे आप किसी अन्य सामान्य बच्चे के साथ करते हैं।

क्या जूते से बच्चे को तकलीफ होगी ?

विशेष जूते (स्प्लीन्ट) पहनाने के एक–दो दिन पाँव को बंधे रहने की वजह से बच्चे को असुविधा होगी। दोनों पैर अलग–अलग न हिला सकने की वजह से बच्चे चिढ़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में आप बच्चे को हल्के से हिलाकर दोनों पाँव एक साथ उछलना एंव घुमाना सिखा सकते हैं। जिससे बच्चा अच्छा महसूस करेगा।

विशेष जूते (स्प्लीन्ट) कैसे पहनाऐं ?

1. जूते पहनाने से पहले बच्चे के पांव पर हमेशा सूती मौज़े (जुराबें) पहनाऐं।
2. क्लबफुट पांव में पहले और अच्छे पांव में बाद में जूते पहनायें।
3. पांव को स्प्लीन्ट में डालकर टखनों के पट्टे को सबसे पहले बांधिए।
4. यह देखते रहिए कि पांव की ऐड़ी स्प्लीन्ट को छू रही है।

आपकी सहायता से आपका बच्चा किसी भी सामान्य बच्चे की तरह हंसमुख और स्वस्थ्य बढ़ेगा।

प्लास्टर लगाते समय डॉक्टर ने आपना काम किया, और जूते पहनाते समय आप अपना काम कीजिए, यह ध्यान में रखते हुए कि जूते ठीक से टिके रहें।

5. जूतों को कसकर बांधिए। लेकिन खून का दौरा रुक न जाए यह ध्यान रखना ज़रुरी है।
6. उंगलियां सीधी ही रहें और कोई भी उंगली टेढ़ी न रहे। यह सुनिश्चित करने एंव खून का दौरा देखने के लिए मौज़े (जुराब) के अगले हिस्से को काटकर उंगलियों के स्पष्ट रुप से देखा जा सकता है।
7. आपको अपने बच्चे के जूतों के साथ अस्पताल ले जाना होगा।
8. आप जूते (स्प्लीन्ट) को किसी भी तरह से नहीं मोड़ेंगे जिस तरह से वह है उसे उसी तरह रहने दें।